# कौशल-आधारित उद्यमिता

जनता वैदिक कॉलेज, बड़ौत के IIC द्वारा 18 नवंबर 2025 को आयोजित उद्यमिता गतिविधि के अंतर्गत, छात्रों में रचनात्मकता, व्यावहारिक कौशल और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'गमला बनाने' (पौधों के लिए) का एक सत्र आयोजित किया गया। इस गतिविधि में पारंपरिक मिट्टी के बर्तनों को बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, जहाँ प्रतिभागियों ने बुनियादी औजारों और तकनीकों का उपयोग करके मिट्टी को गमलों का आकार देना सीखा। इस कार्यक्रम की शोभा कॉलेज के प्राचार्य प्रो. वी.पी. सिंह, IQAC समन्वयक प्रो. जी.पी. सिंह, NAAC समन्वयक प्रो. श्याम किशोर और IIC संयोजक डॉ. मनोज कुमार शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति ने बढ़ाई; उनके प्रोत्साहन से छात्रों को इस गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने और इस तरह की कौशल-आधारित पहलों के महत्व को समझने की प्रेरणा मिली। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य छात्रों में एक उद्यमी मानसिकता विकसित करना था, जिसके तहत यह दर्शाया गया कि किस प्रकार पारंपरिक शिल्पकला को एक सफल व्यावसायिक अवसर के रूप में विकसित किया जा सकता है। कुल मिलाकर, यह गतिविधि अत्यंत रोचक और ज्ञानवर्धक सिद्ध हुई, जिसने छात्रों को नवीन और टिकाऊ करियर विकल्पों की खोज करने के लिए प्रेरित किया।